DIRECTORATE OF INFORMATION & PUBLICITY
GOVT. OF NCT OF DELHI
BLOCK No - IX, OLD SECRETARIAT, DLEHI-110054

No. F.9 (45)/ DIP/Estt/Vidhansabha/21-22/4572 Dated:- 28/7/21

To

Deputy Secretary (Question Branch),
Delhi Vidhansabha Secretariat,
Govt. of NCT of Delhi,
Old Secretariat, Delhi -110054

Sub: - Answer of Vidhan Sabha Starred Question No. 28 raised by Sh. Om Prakash Sharma, due for answer on 30.07.2021.

Sir,

Please find enclosed herewith the answer of Vidhan Sabha **Starred Question No. 28 raised** by Sh. Om Prakash Sharma due for answer on 30.07.2021.

28/07/2021

Encl: As above.

(Umesh Kumar Sharma)
Section Officer

सूचना एवं प्रचार निदेशालय
राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, दिल्ली सरकार
ब्लॉक नं0–9, पुराना सचिवालय, दिल्ली–110054

तारांकित प्रश्न संख्याः– 28
दिनांक : 30–07–2021
प्रश्नकर्ता का नामः– **श्री ओम प्रकाश शर्मा**
क्या माननीय उप मुख्यमंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

क्रम सं॰	प्रश्न	उत्तर
क	क्या यह सत्य है कि सरकार ने खेतों की पराली को कम्पोस्ट में बदले जाने के संबंध में विज्ञापन दिए हैं,	पूरे उत्तर भारत में पराली जलाने के कारण उत्पन्न होने वाला विकराल प्रदूषण विगत कई वर्षों से बहुत बड़ी समस्या बनी हुई है। आस–पास के राज्यों में पराली जलाने के कारण कई हफ्तों तक दिल्ली के उपर प्रदूषण छाया रहता है जिसके कारण दिल्लीवासियों सहित समस्त उत्तर भारतवासियों का सांस लेना भी दूभर हो जाता है। यह जरूरी था कि अनुसंधानकर्ता इस विषय में नई तकनीक ईजाद करें जिसे न सिर्फ दिल्ली बल्कि आस–पास के राज्यों के संज्ञान एवं इस्तेमाल में भी लाया जा सके। दिल्ली में पूसा इंस्टीट्यूट ने इस वर्ष पराली को कम्पोस्ट खाद में बदलने की एक नई तकनीक ईजाद की थी जिसे दिल्ली सरकार की ओर से दिल्ली के किसानों को उपलब्ध कराया गया। लेकिन यह भी जरूरी था कि इस तकनीक की सूचना उन सभी राज्यों के किसानों को पहुंचे जहां से यह धुआं बड़ी मात्रा में उत्सर्जित होता है। क्योंकि इस प्रदूषण का मुख्य स्रोत दिल्ली के आस–पास के राज्य हैं इसलिए लोगों की सुरक्षा हेतु इस नई तकनीक के बारे में जागरूकता के लिए दिल्ली सरकार की ओर से विज्ञापन जारी किये गये थे जिस पर 15,80,36,828/– (पन्द्रह करोड़ अस्सी लाख छतीस हजार आठ सौ अठ्ठाईस) रूपये का खर्चा आया था।
ख	यदि हॉ तो, इन विज्ञापनों पर खर्च की राशि, और	
ग	पराली को कम्पोस्ट में बदले जाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले केमिकल पर खर्च की गई धनराशि का विवरण?	पूसा इंस्टीट्यूट के अधिकारियों ने दिल्ली सरकार के संबंधित अधिकारियों व कर्मचारियों को इसके इस्तेमाल का प्रशिक्षण दिया। दिल्ली सरकार के इन प्रशिक्षित अधिकारियों द्वारा एक विशेष कैंप का आयोजन कर लगभग 1400–1500 किसानों को पराली को कम्पोस्ट में बदलने का प्रशिक्षण दिया गया। पराली को कम्पोस्ट में बदले जाने के लिए इस्तेमाल किए जाने वाले केमिकल की खरीद पर आई.ए.आर.आई.पूसा को केवल 40,000/– रूपये का भुगतान किया गया। किसानों में पराली न जलाने के बारे में जागरूकता लाने के लिए विकास विभाग की कृषि शाखा ने 56 प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किये थे। इस पर कुल रूपये 4,69,000/–का खर्चा आया।

विभागाध्यक्ष
सूचना एवं प्रचार विभाग